चिरौंजी (Buchnania lanzan) – बहुउद्देशीय वृक्ष

एन. डी. खोब्रागडे वैज्ञानिक – बी

वानस्पतिक नाम :– बुकनेनिया लान्जन

कुल :– एनाकारडिएसी

प्रचलित नाम :– चिरौंजी, अचार

उपयोगी भाग :– फल एवं बीज

भौगोलिक विवरण :–

चिरौंजी वृक्ष प्राकृतिक रूप में उत्तर से पश्चिमी भारत के समुद्र तल से 3000 फीट उंचाई तक शुष्क जलवायु क्षेत्र में पाया जाता है । मध्यप्रदेश में यह वृक्ष अधिकांश जिलों में पाया जाता है तथा छिंदवाडा जिले में चिरौंजी के वृक्ष सबसे अधिक मात्रा में पाये जाते है ।

नर्सरी में पौधे तैयार करने की तकनीक :–

चिरौंजी के पके हुए फलों को पानी में मसलकर अच्छी तरह धो लेते है । मसलने से उपर का गुदा निकल जाता है । तत्पश्चात् गुठली को छाया में 10–15 दिन तक सुखाया जाता है । फिर गुठलियों को पानी में 24 घंटे डुबाकर रखते है, फिर उन्हे निकालकर तुरंत मिट्टी, रेत और खाद से भरे हुए पॉलीथिन बैंगों में लगाना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा नर्सरी में पौधे उगाए जा सकते है ।

आर्थिक महत्व :–

चिरौंजी की तुलना जब दूसरे वाणिज्यिक वृक्षों से करेंगे तो अधिक फायदेमंद साबित होगा । चिरौंजी 1200 से 1500 प्रति किलों की दर से बाजार में बिकती है । जिसके चलते यह वृक्ष ग्रामीण किसान और आदिवासियों का जीवन स्तर सुधारने के लिए अनमोल है । यह वृक्ष बहुउद्देशीय प्रजाति का है । माना जाता है जो ग्रामीण किसान और आदिवासियों के विकास के महत्वपूर्ण है ।

रोपणी तकनीक का संक्षिप्त विवरण:–

- फुल लगाने का समय – जनवरी–मार्च
- फल बीज पकाने का समय – अप्रैल–मई
- बीज एकत्रीकरण – अप्रैल–मई
- भंडारण – नमीरहित पोलीथीन बैग
- बीज उपचार – 24 घंटे डुबोकर। 12 घंटे गुनगुना पानी

- बुआई का समय – मई
- बीज बोने की गहराई – 1–1.5 से मी
- सिचाई – आवश्यकतानुसार
- रोपण योग्य पौधा – 25 सेमी. से अधिक

चिरौंजी से अनुमानित आय–व्यय :–(प्रति हेक्टर में)
वृक्ष की आयु 60–70 साल और 8 से 10 साल से उपज प्राप्ति की एकरूपता को आधार मानते हुए कुल आय
पौधे से पौधे की दूरी 5 मी. 5मी.
प्रतिहेक्टर पौधों की संख्या :– 400
उपज गणना के लिए 300 पौधे
उपज/आय/लागत एकरूपता :– 8 से 10 साल से आगे

वर्ष	**विवरण**	**व्यय**	आय (लाख)
1 –7	खेत तैयार करना, गड्डों की खुदाई, कीटनाशक खाद उर्वरक, पौधों की लागत, ,पौध रोपण तथा पुनः रोपण, सिंचाई 1 से 3 साल तक निंदाई गुडाई 3 साल तक	20700	–
8 –10	बीज (गुठली) उपज 500 ग्रा. प्रति पौधा बीज उपज 150 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर दर 100 रू प्रति कि.ग्रा.	2000 प्रति **वर्ष**	0.15
11 –15	बीज उपज 2 कि.ग्रा. प्रति पौधा बीज उपज 600 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर दर 125 रू प्रति कि.ग्रा.	3000 प्रति **वर्ष**	0.75
16 –20	बीज उपज 4 कि.ग्रा. प्रति पौधा बीज उपज 1200 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर दर 150 रू प्रति कि.ग्रा.	5000 प्रति **वर्ष**	1.80
21 –25	बीज उपज 8 कि.ग्रा. प्रति पौधा बीज उपज 2400 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर दर 175 रू प्रति कि.ग्रा.	10000 प्रति **वर्ष**	4.20
26 –30	बीज उपज 15 कि.ग्रा. प्रति पौधा बीज उपज 4500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर दर 200 रू प्रति कि.ग्रा.	10000 प्रति **वर्ष**	9.00
31 **वर्ष** से लगातार आय 9.00 लाख से			

नोट :–1. 1 – 7 वर्ष तक अंतवर्तीय फसले ले सकते है।
2. विभिन्न जलवायु, परिस्थितियों, मजदूरी दर अन्य निवेशों के अनुसार इसकी खेती की लागत व आमदनी में परिवर्तन हो सकता है ।